नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

नृजातिवर्णनात्मक शोध के पद्धतिपरक परिप्रेक्ष्य पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का उदघाटन
हिंदी विश्वविद्यालय में मानव विज्ञान विभाग का आयोजन

वर्धा, 11 मार्च 2019: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में 'नृजातिवर्णनात्मक शोध के पद्धतिपरक

परिप्रेक्ष्य' विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का उदघाटन कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र की अध्यक्षता में सोमवार को विवि के गालिब सभागार में किया गया। मानव विज्ञान विभाग की ओर से आयोजित तथा भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित कार्यशाला के उदघाटन समारोह में बरकतुल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल के राजीव गांधी चेयर के प्रो. एस. एन. चौधरी, नीदरलैण्ड के प्रो. मोहन कांत गौतम, विवि के मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. कृपा शंकर चौबे, मानव विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. फरहद मलिक मंचासीन थे।

स्वागत वक्तव्य में प्रो. फरहद मलिक ने कहा कि विभाग की स्थापना के दस वर्ष पूरे हो रहे हैं और इस दरम्यान विभाग की ओर से अनेक महत्वपूर्ण आयोजन किए गये है। उन्होंने कहा कि इस कार्यशाला में देश भर के विभिन्न महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों के 35 से अधिक प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। प्रो. कृपा शंकर चौबे ने कहा कि महाश्वेता देवी ने जनजातिय समूदायों के बारे में काफी कुछ लिखा है। उन्होंने माना कि सामाजिक विज्ञान और साहित्य दोनों साथ-साथ चलने चाहिए। प्रो. एस.एन. चौधरी ने कहा कि अंतरानुशासनिक दृष्टिकोन से नृजातिय अध्ययन को स्थान देकर नए रूप से अनुसंधान होना चाहिए। प्रो. मोहनकांत गौतम का कहना था कि अध्यापकों के आदान प्रदान के माध्यम से विदेशों में नृजातिय अध्ययन को बढ़ावा दिया जाए।

अध्यक्षीय वक्तव्य में कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने कहा कि पढ़ना, समझना और प्रस्तुत करना ही नृजातिय अध्ययन है। उन्होंने नृजातिय अध्ययन को लेकर आने वाली चुनौतियों के बारे में भी अवगत कराया। कार्यक्रम का संचालन मानव विज्ञान विभाग के सहायक प्रोफेसर निशीथ राय ने किया। इस अवसर पर कार्यकारी कुलसचिव प्रो. के.के. सिंह, मानव विज्ञान विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. वीरेंद्र प्रताप यादव, डायस्पोरा विभाग के डॉ. मुन्नालाल गुप्ता, डॉ. भावेंद्र कुमार पटेल, सुमन चोप्रा सहित प्रतिभागी एवं शोधार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

मा. संपादक/संवाददाता महोदय,

कृपया संलग्न समाचार को प्रकाशित कर अनुगृहीत करें। धन्यवाद।